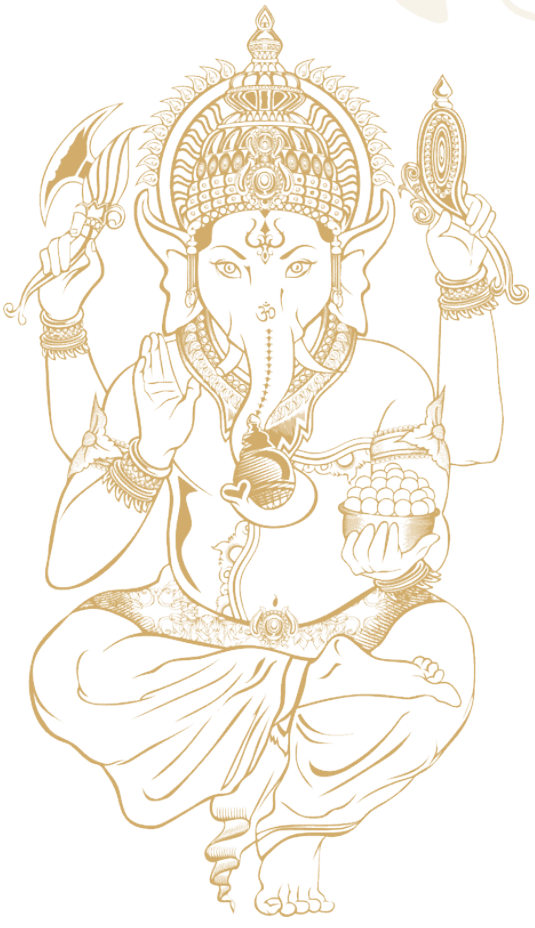

Deepak

22 Jun 1998

04:40 PM

Alwar

Model: web-freekundliweb

Order No: 121778502

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**22/06/1998**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**16:40:00 घंटे**
इष्ट	27:56:54 घटी
स्थान	**Alwar**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	27:32:00 उत्तर
रेखांश	76:35:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:23:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	16:16:20 घंटे
वेलान्तर	-00:01:53 घंटे
साम्पातिक काल	10:18:04 घंटे
सूर्योदय	05:29:14 घंटे
सूर्यास्त	19:21:53 घंटे
दिनमान	13:52:39 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	07:00:23 मिथुन
लग्न के अंश	02:27:49 वृश्चिक

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृश्चिक - मंगल
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**रोहिणी - 2**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	शूल
करण	विष्टि
गण	मनुष्य
योनि	सर्प
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	वा-वासुदेव
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृश्चि	02:27:49	308:39:08	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	---
सूर्य			मिथु	07:00:23	00:57:16	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	राहु	सम राशि
चंद्र			वृष	14:26:40	14:26:10	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	गुरु	मूलत्रिकोण
मंगल		अ	वृष	26:40:36	00:41:16	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	गुरु	सम राशि
बुध			मिथु	20:59:16	01:56:02	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	स्वराशि
गुरु			मीन	03:11:04	00:04:47	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	स्वराशि
शुक्र			वृष	03:43:59	01:11:02	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	स्वराशि
शनि			मेष	07:22:27	00:05:02	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	राहु	नीच राशि
राहु	व		सिंह	09:41:14	00:09:26	मघा	3	10	सूर्य	केतु	शनि	शत्रु राशि
केतु	व		कुंभ	09:41:14	00:09:26	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	गुरु	शत्रु राशि
हर्ष	व		मक	18:24:39	00:01:35	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	---
नेप	व		मक	07:44:12	00:01:20	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	---
प्लूटो	व		वृश्चि	12:11:54	00:01:27	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	मंगल	---
दशम भाव			सिंह	08:42:58	--	मघा	--	10	सूर्य	केतु	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:50:01

लग्न-चलित

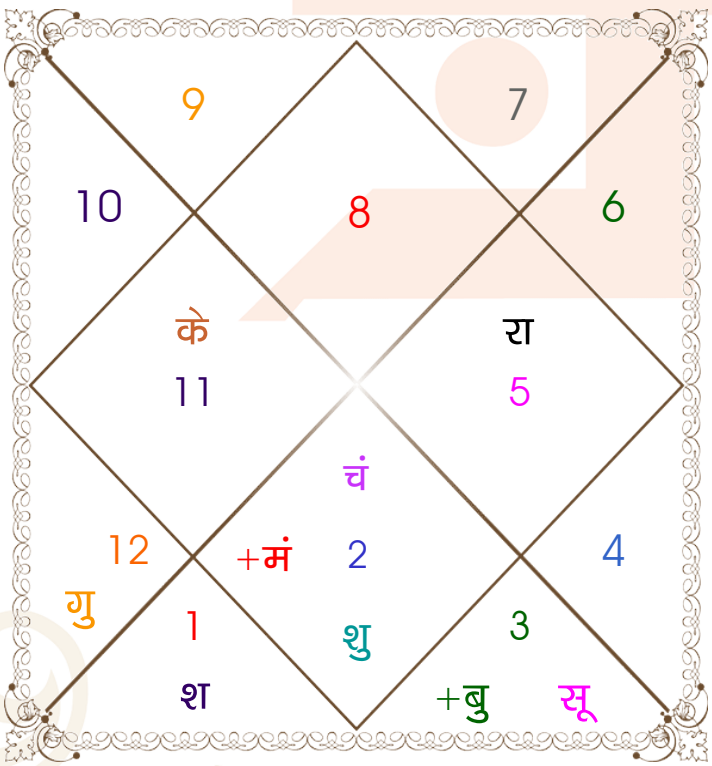

चन्द्र कुंडली

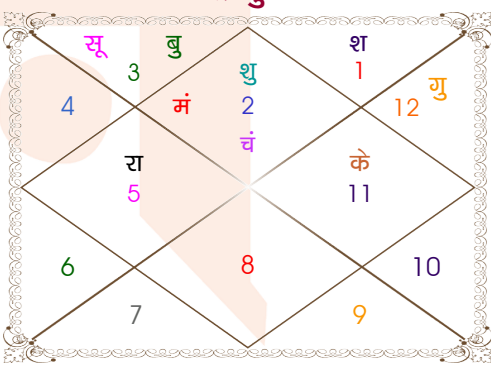

नवमांश कुंडली

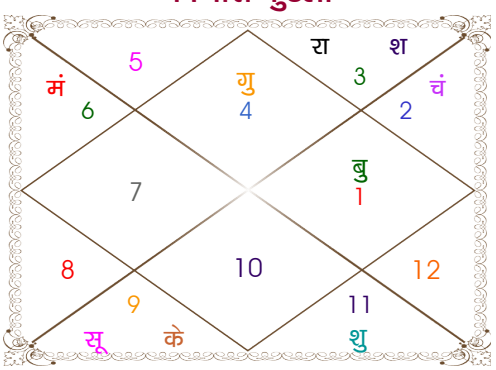

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 6 वर्ष 7 मास 30 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
22/06/1998		20/02/2005		21/02/2012		20/02/2030		20/02/2046	
20/02/2005		21/02/2012		20/02/2030		20/02/2046		20/02/2065	
	00/00/0000	मंगल	19/07/2005	राहु	03/11/2014	गुरु	10/04/2032	शनि	23/02/2049
	00/00/0000	राहु	07/08/2006	गुरु	29/03/2017	शनि	22/10/2034	बुध	03/11/2051
	22/06/1998	गुरु	14/07/2007	शनि	03/02/2020	बुध	27/01/2037	केतु	12/12/2052
गुरु	23/05/1999	शनि	22/08/2008	बुध	22/08/2022	केतु	03/01/2038	शुक्र	12/02/2056
शनि	21/12/2000	बुध	19/08/2009	केतु	10/09/2023	शुक्र	03/09/2040	सूर्य	24/01/2057
बुध	23/05/2002	केतु	15/01/2010	शुक्र	09/09/2026	सूर्य	22/06/2041	चंद्र	25/08/2058
केतु	22/12/2002	शुक्र	17/03/2011	सूर्य	04/08/2027	चंद्र	22/10/2042	मंगल	04/10/2059
शुक्र	22/08/2004	सूर्य	23/07/2011	चंद्र	02/02/2029	मंगल	28/09/2043	राहु	10/08/2062
सूर्य	20/02/2005	चंद्र	21/02/2012	मंगल	20/02/2030	राहु	20/02/2046	गुरु	20/02/2065

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
20/02/2065		20/02/2082		20/02/2089		21/02/2109		22/02/2115	
20/02/2082		20/02/2089		21/02/2109		22/02/2115		00/00/0000	
बुध	20/07/2067	केतु	20/07/2082	शुक्र	22/06/2092	सूर्य	11/06/2109	चंद्र	23/12/2115
केतु	16/07/2068	शुक्र	19/09/2083	सूर्य	22/06/2093	चंद्र	10/12/2109	मंगल	23/07/2116
शुक्र	17/05/2071	सूर्य	25/01/2084	चंद्र	21/02/2095	मंगल	17/04/2110	राहु	22/01/2118
सूर्य	22/03/2072	चंद्र	25/08/2084	मंगल	22/04/2096	राहु	12/03/2111	गुरु	23/06/2118
चंद्र	22/08/2073	मंगल	21/01/2085	राहु	23/04/2099	गुरु	29/12/2111		00/00/0000
मंगल	19/08/2074	राहु	08/02/2086	गुरु	23/12/2101	शनि	10/12/2112		00/00/0000
राहु	07/03/2077	गुरु	15/01/2087	शनि	21/02/2105	बुध	17/10/2113		00/00/0000
गुरु	13/06/2079	शनि	24/02/2088	बुध	23/12/2107	केतु	21/02/2114		00/00/0000
शनि	20/02/2082	बुध	20/02/2089	केतु	21/02/2109	शुक्र	22/02/2115		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 6 वर्ष 8 मा 4 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विशाखा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में वृश्चिक लग्नोदय काल में हुआ था। साथ-साथ वृश्चिक लग्न के उदित काल कर्क नवमांश एवं वृश्चिक द्रेष्काण भी उदित हुआ था। फलस्वरूप आपके जन्म आकृति से यह सूचित हो रहा है कि आपको समृद्धि एवं सफलता हेतु तीनों ओर से वाधित पथ में से कोई एक पथ का चयन करना होगा। आप अपने प्रतिपक्षी को बिना किसी भी प्रकार की अगुआई के आक्रमण कर उसे पराजित कर सकते हैं।

आप अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित प्राणी हैं। अच्छा समय आने पर आप धन संचय करने की महत्वकांक्षा की पूर्ति करने में सफल हो सकते हैं तथा आपकी वासनात्मक आकांक्षा की भी पूर्ति हो सकती है। यदि आपके साथ कोई डींग मारकर भ्रमित करता है तो आप अपने मस्तिष्क को झाड़पोछ कर एक ओर कर के उसके माप दण्ड को स्वीकार कर अपनी उन्नति के लिए द्विपक्ष में से उस पक्ष को अपने सहयोगी बना लेंगे जो आपके लिए उपयुक्त होगा। आप सदैव धनी अर्थात् समृद्धशाली व्यक्ति से इर्ष्या रखते हैं तथा आप चरम सीमा तक उसके साथ चलना ठीक समझते हैं। आपका सौभाग्य साथ दिया तो आप भविष्य में सफलता प्राप्त करने में अग्रसर होंगे। परंतु आप अधिकतर अहंकारिक भावना से अति असत्यता हेतु कठिन साध्य से ऊपर उठकर युद्धकारी प्रवृति कर लेंगे। परंतु आपको सर्वथा संयमित होना चाहिए। परिणामस्वरूप आप अपने शत्रु समुदाय की वृद्धि कर लेंगे। लेकिन आगे आप विषाक्त जलन उत्पन्न करते रहे तो आपकी पूंछ को कतर देंगे अर्थात् आपको वे शत्रु पराजित कर देंगे।

आप अपने घरेलू जीवन में जो शासनपूर्ण व्यवहार करते हैं उस प्रवृति के प्रति झुकाव लाना होगा। इसके स्थान पर आपको सामंजस्यता की प्रवृति को स्वीकार करना उत्तम होगा। आप घर में तानाशाही प्रवृति जैसा व्यवहार करना चाहते है। आपकी इस प्रकार की प्रवृति रही अर्थात् इस प्रवृति का त्याग नहीं किया गया तो इस कारण वश अतिरिक्त लाभ करना एक जालसाजी सिद्ध होगा। जो अपनी पत्नी के साथ अच्छा संबंध नहीं रह सकेगा और दूसरा अन्य कारण आपकी वासनात्मक प्रवृति से स्वार्थ साधना प्रमाणित होगा। यद्यपि आप अपनी पत्नी के साथ स्नेहयुक्त संबंध रखेंगे। परंतु आप सदैव ज्वार भाटा के समान दूसरों के साथ वासनात्मक संबंध रखेंगे। यदि आप इन दो प्रमुख विशेषताओं का सुधार नहीं करते हैं तो आपका परिवारिक जीवन सुखी नहीं रहेगा। अतः आप अपनी आगामी कार्य योजना में वैवाहिक जीवन के समक्ष सार्थकता नहीं रह जाएगी। आप अपने विवाह हेतु अर्थात् जीवन संगिनी हेतु उस साथी का चयन करें जिसका जन्म कर्क, मीन, वृश्चिक, वृष, कन्या एवं मकर राशि में हुआ हो अर्थात् उपरोक्त राशियों की लड़की आपके वैवाहिक आनन्द हेतु उपयुक्त होगी।

यद्यपि आप बहुत अधिक धन का उपार्जन करेंगे। आप अपने बैंक के कोष की सुदृढ़ता चाहते हैं जबकि आप धन का अपव्यय भी किया करते हैं। आप बिना जरूरत धन का व्यय करने पर नियंत्रण रखें।

वृश्चिक राशि के प्राणी वृश्चिक स्वाभावात्मक प्राणी को पसंद नहीं करते। ये सामान्यतः समानुपातिक शारीरिक ढ़ाँचे के होते है। इनका व्यक्तित्व सुंदर लगता है। यद्यपि

इनकी आकृति औसतन उपयुक्त होती है। ये अपनी योजना को अधिकारपूर्ण ढंग से सम्मिलित करते हैं क्योंकि इनकी विस्तृत मुखाकृति स्थिर एवं घुंघराले बालों से युक्त होते हैं। ये अपनी मनोवृति के प्रति सतर्क रहते हैं। आप मध्यम अवस्था में मोटे हो जाएंगे। जिसकी वजह से इनकी आकृति बिगड़ सकती है, अन्यथा ये प्रतिभा संपन्न आकृति के होंगे।

आप शारीरिक दृष्टिकोण से पूर्णतः बलिष्ठ होंगे। परंतु आपको कतिपय रोगों के प्रति सतर्क रहना आवश्यक है, अन्यथा वृद्धावस्था में कुछ गलत प्रभाव से अति निर्बलता, ग्रन्थि रोग, एवं मस्तिष्क रोग से संबंधित मस्तिष्क ज्वर से आक्रांत हो सकते हैं।

आपको अपनी प्रगति हेतु निम्नांकित व्यवसायों में से उत्तम व्यवसाय का चयन करना चाहिए। यथा-केमेस्ट्री, अनुसंधान कार्य, मेडिकल एवं मातृत्व चिकित्सा इन्सयोरेंस, आपराधिक छानबीन, लौह एवं स्टील के कार्य अथवा प्रतिरक्षा सेवा अथवा कलाकारिता आदि। आप संगीत कला का भी कुछ समय अभ्यास कर सकते हैं।

साप्ताहिक दिनों में आपका भाग्यशाली दिन रविवार, सोमवार, एवं मंगलवार, है। आपके लिए वास्तव में शुक्रवार, बुधवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नही है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल 1, 2, 3, 4 एवं 9 अंक है। इसे अतिरिक्त 5, 6 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल है।

आपके लिए रंग पीला, लाल, नारंगी एवं क्रीम रंग अनुकूल है। इसके अतिरिक्त रंग सफेद, ब्लू एवं हरा रंग सर्वथा त्याज्यनीय है।